10. Social Approval सामाजिक अनुमोदन :— सामाजिक अनुमोदन भी बालकों को सिखने के लिए motivate करते है, उनके द्वारा अच्छा करने पर समाज में उन्हे प्रतिष्ठा मिलती है जो उन्हे तथा दूसरो को प्रोत्साहित करती है!

11. Educational and Vocational Goal. शैक्षिक एवं व्यवसायिक लक्ष्य :— Sears, Ratlor 1944, Crawford and strong आदि के अध्ययन से पता चलता है कि लक्ष्य का ज्ञान एवं प्राप्ती बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित करता है। सामान्य शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रो की अपेक्षा व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बालको में अधिक अभिप्रेरणा देखने को मिलती है।

इस तरह स्पष्ट है कि छात्रों के शिक्षण एवं शैक्षिक स्तर पर कई तरह के अभिप्रेरणाओं का प्रभाव पड़ता है!

Paper - II

Scanned with CamScanner

Scanned by TapScanner

जब हम इन परिभाषाओं का विश्लेषण करते पर निम्नलिखित बातें सामने आतीं

ⓐ अभिप्रेरणा शिक्षार्थी की एक काल्पनिक आन्तरिक अवस्था है

ⓑ अभिप्रेरणा में जो विशेष आन्तरिक अवस्था होती है उससे शिक्षार्थी में कुछ क्रियाएं उत्पन्न होती हैं।

ⓒ अभिप्रेरणा में उत्पन्न क्रियाओं (activities) मे एक दिशा (direction) होती है

ⓓ शिक्षार्थी में उत्पन्न अभिप्रेरणा-व्यवहार (Motivated behaviour) उद्देश्य या लक्ष्य की प्राप्ती तक जारी रहता है।

अर्थात व्यक्ति मे पहले आवश्यकता उत्पन्न होती है आवश्यकता से उत्पन्न आन्तरिक शक्ति व्यक्ति को Drive कराती है जो लक्ष्य की दिशा मे होती है तथा उस समय तक क्रिया शील रखती है जबतक लक्ष्य की प्राप्ती से संतुष्टि नही मील जाती

Need → Drive → Incentive (goal)

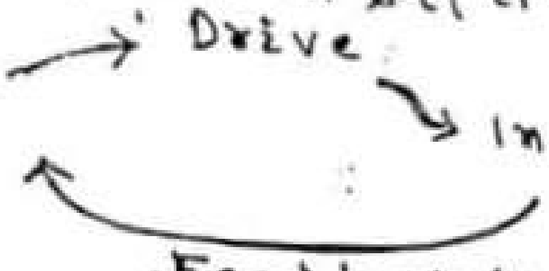

Feed back (Knowledge of result)

जैसे भूख व्यक्ति को खाने की तलाश करवाता है और यह तलाश उस समय तक जारी रहता है जब तक की व्यक्ति को भोजन आवश्यकता अनुसार न मिल जाए

ROLE OF MOTIVATION IN LEARNING

कहते है Motivation is the royal road to Learning सच तो यह है कि अभिप्रेरणा सीखने की प्रक्रिया के हृदय के समान है

Melton का कहना है कि "Motivation is an essential condition of Learning."

Gates महोदय के विचार से "The Problem of Motivation lies at the very heart of a sound educational Programme.... Motivation is indispensable to Learning"

Kelly का मत है कि "Motivation is the central factor of the Process of Learning. Type of motivation must be present in all Learning"

- अतः यह कहा जा सकता है कि अभिप्रेरणा के अभाव मे शिक्षा प्रक्रिया सम्पन्न करना सम्भव नही! आवश्यक है कि शिक्षा के क्षेत्र में बालकों को अनेक स्तर पर अभिप्रेरित किया जाए। अभिप्रेरणा निम्नलिखित रूप से सीखने में अपनी भूमिका अदा करता है।

1. Purpose or Intent to Learn सीखने का उद्देश्य :— सीखने के, उद्देश्य की जानकारी बालक को अभिप्रेरित करती है! जिन विषयों के सीखने के उद्देश्य की जानकारी बालक को नहीं होती वह उनके प्रति कम रूची लेते है।

2. ~~Sig~~ Significance of Attitude अभिप्रेरणा में दृष्टिकोण का महत्व :— दृष्टिकोण अभिप्रेरणा को मार्ग देता है जो रुचियों और ध्यान से स्पष्ट रूप से सम्बन्धित होता है! दृष्टिकोण से नये अनुभवों की केवल तैयारी ही नहीं होती बल्कि अनुभव प्राप्त करने के लिए नई सीमाएं भी निर्धारित करता है।

Scanned with CamScanner

Scanned by TapScanner

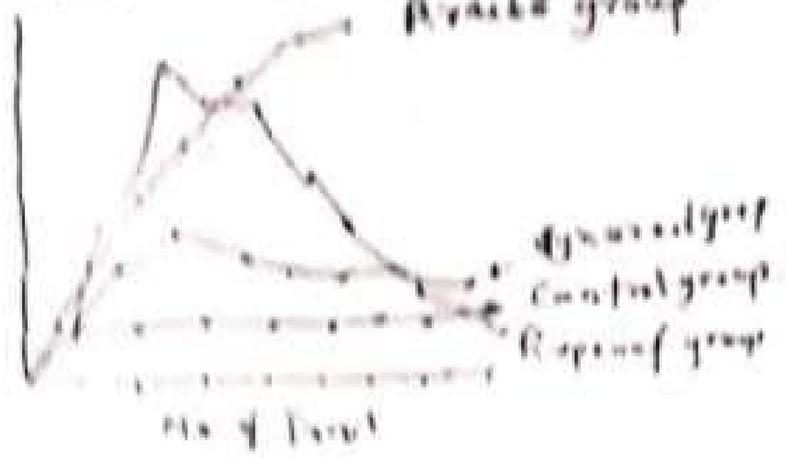

3. Praise and Reproof प्रशंसा और निंदा : प्रशंसा एवं निंदा का सीधा प्रभाव बालक के सीखने की अभिप्रेरणा पर पड़ता है। Skinner ने इसकी सफलता पर बल डाला है Praise प्रशंसा से बालक को आनन्द की प्राप्ति होती है। जिसे पाने को वे आतुर रहते हैं परन्तु Reproof निंदा से उन्हें दुःख का अनुभव होता है जो वह पाना नहीं चाहते। Hurlock द्वारा किए गये चार समूहों के प्रायोगिक परिणाम से इसे समझा जा सकता है

4. Attention, Interest & Enthusiasm.
ध्यान, रुचि और उत्साह :— बालकों में सिखाते इन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है। रोचक विषय के प्रति बालकों का ध्यान आकर्षित कर उनमें रुचि विकसित कर सकते हैं और उनके अन्दर उत्साह भर सकता है जिससे अभिप्रेरित होकर बालक सफलता पूर्वक सीख सकते हैं।

5. Maturation परिपक्वता :— बालकों को कार्य उनकी परिपक्वता को ध्यान में रखकर उनके स्तर का दिया जाए तो वह अधिक अभिप्रेरित होता है। औपचारिक अधिगम (Formal Learning) तभी होता जब बालक, शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक और सांस्कृतिक रूप से परिपक्व हो।

6. Will to Learn सीखने की इच्छा :— बालकों में सीखने के लिए इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है सीखने की सारी प्रक्रिया (Spontaneous [illegible]) दोनों ही इच्छा पर निर्भर रहता है जिसे प्रेरणा द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

7. Reward and Punishment पुरस्कार एवं दण्ड :— पुरस्कार एवं दण्ड आर्थिक हो या शारीरिक, द्वारा बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित किया जा सकता है। Thorndike एवं Thompson आदि के अध्ययनों से स्पष्ट पता चलता है कि पुरस्कार द्वारा अभिप्रेरित बालक शीघ्र सीख लेता है परन्तु दण्ड द्वारा सीखे हानिकारक हो सकता है। पुरस्कार देते समय भी सावधानी होनी चाहिए। छोटे एवं सरल कार्यों के लिए पुरस्कार देना आवश्यक नहीं है।

8. Knowledge of result and Level of aspiration :— परिणामों का ज्ञान, उच्च आकांक्षायें
आत्म अभिप्रेरणा एवं आकांक्षा स्तर
और स्पष्ट उद्देश्य विद्यार्थी में आत्म-अभिप्रेरणा के लिए प्रोत्साहन का कार्य करते हैं। Judd, Thorndike, Cason, Angell, Ross & Lewis के अध्ययन से पता चलता है कि Knowledge of result के द्वारा बालकों को अभिप्रेरित कर सकता है। परिणाम का ज्ञान शीघ्र प्राप्त किया जाए अच्छा है।

9. Competition प्रतियोगिता :— सीखने की प्रतियोगिताओं का प्रयोग अभिप्रेरणा के लिए बहुत ही प्रभावशाली रहा है। इन प्रतियोगिताओं से बालक की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है व्यक्तिगत प्रतियोगिता की अपेक्षा समूह प्रतियोगिता अधिक आवश्यक है। इससे सहयोग की भावना पैदा होती है।

CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned by TapScanner

MOTIVATION

* Meaning & Definition.
* Role of Motivation in Learning.

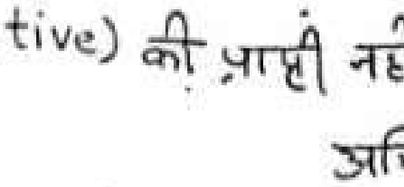

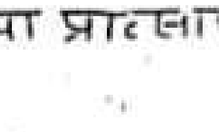

अभिप्रेरणा एक आन्तरिक शक्ति (Internal Force) है जो व्यक्ति को या जिव को कार्य आरम्भ करने तथा बनाये रखने को प्रवृत या बाध्य करती है जो मनुष्य की आवश्यकता से प्रारम्भ होकर लक्ष्य की प्राप्ती तक चलती है।

व्यक्ति क्रिया शिल क्यों रहता कब तक रहता है? — जब जिव मे आवश्यकता Need उत्पन्न होती है या किसी चीज की कमी (deficiency) होती है तब वह आवश्यकता या कमी की पूर्ती के लिए क्रियाशिल हो जाता है जिसे अन्तर्नोद Drive कहते है। (A drive is an original source of energy that activate the organism). जैसे भूख मे (hunger drive), कामपिपासा मे (Sex drive) आदि! यह अन्तर्नोद (drive) लक्ष की दीशा में उस समय तक चलता है जब तक लक्ष्य (goal) या प्रोत्साहन (Incentive) की प्राप्ती नहीं हो जाती।

अभिप्रेरणा को परिभाषित करने के लिए बहुत सारे मनोवैज्ञानिकों ने अपनी अपनी परिभाषाए दी है जिनमें कुछ प्रमुख्य है।

According to Wood worth :→ "A Motivation is a state of the individual which disposes him for certain behaviour and for seeking certain goal."

"अभिप्रेरणा व्यक्ति की दशा का वह समूह है जो किसी निश्चित उद्देश्य की पुर्ति के लिए निश्चित व्यवहार को स्पष्ट करती है।"

According to Mc Dougall :→ "Motives are Conditions physiological and Psychological within the organism that disposes it to act in certain ways."

"अभिप्रेरणा वे शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक दशायें है जो किसी कार्य को करने के लिए प्रेरित करती है।"

According to Baron, Byrne and Kantowitz :→ In Psychology we define Motivation as a hypothetical internal Process that Provides the energy for behaviour and directs it towards a specific goal."

"मनोविज्ञान में हमलोग अभिप्रेरणा को एक काल्पनिक आन्तरिक प्रक्रिया के रूप मे परिभाषित करते है जो व्यवहार करने के लिए शक्ति प्रदान करता है तथा खास उद्देश्य की ओर व्यवहार को लेजाता है।"

According to Reilly and Lewis :→ "Motivation is a Process in which the Learner's internal energies are directed towards various goal objective in his environment.... Arising from the basic need, motives are the energies which give direction and purpose to behaviour."

"अभिप्रेरणा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें शिक्षार्थी की आन्तरिक शक्ति वातावरण के विभिन्न लक्ष्य वस्तुओं की ओर निर्देशित होता है ..... हम लोगों की मूल आवश्यकताओं से उपजकर अभिप्रेरणा एक ऐसी शक्ति के रूप में कार्य करता है जो व्यवहार का एक उद्देश्य एवं दिशा प्रदान करता है।"

Nilam

अधिगम (Learning)

अधिगम का अर्थ :-

सीखना निरन्तर चलने वाली एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है। बालक जन्म से मृत्यु तक कुछ न कुछ सीखता रहता है। सीखने के लिए कोई स्थान विशेष निश्चित नहीं होता बल्कि बालक कहीं भी, किसी भी समय, किसी से भी, कुछ भी सीख सकता है।

मनोविज्ञान ने सीखने को 'अधिगम' कहते हैं। सामान्य अर्थ में सीखना व्यवहार में परिवर्तन को कहा जाता है यानि Learning refers to change in behaviour परन्तु सभी तरह के व्यवहार में हुए परिवर्तन को सीखना नहीं कहा जाता जैसे- थकान, दवा खाने से किसी बीमारी का हो परिपक्वता आदि से भी होता है।

उदाहरण - एक त्रिवर्षीय बालक अपनी माँ द्वारा दिए गए टॉफी (चाकलेट) मिलने के प्रलोभन से कुछ विशेष व्यवहार जैसे कविता/गाना सुनाना, दूध पीना, या हाथ जोड़कर नमस्कार करना आदि प्रदर्शित करता है या व्यवहार परिवर्तित होता है लेकिन वह अभिप्रेरक (टॉफी) के उपस्थिति में उक्त व्यवहार करता है किन्तु उसकी अनुपस्थिति में उसका व्यवहार बदल जाता है। अतः स्पष्ट है कि उक्त व्यवहार परिवर्तन को अधिगम की संज्ञा कदापि नहीं दी जा सकती।

मनोविज्ञान में अधिगम का अर्थ सिर्फ उन्हीं परिवर्तनों से होता है जो अभ्यास (Practice) या अनुभव (Experience) के परिणाम स्वरुप स्थायी होते हैं। जैसे- बालक वर्णमाला लिखना सीख रहा है जिसमें बालक प्रशिक्षण के आधार पर सीख रहा है। बालक बार-बार वर्णमाला के अक्षरों को लिखता है तथा प्रत्येक बार लिखने में हुई गलतियों को सुधारते भी जाता है।

[illegible] के अनुसार (1948)

स्किनर के अनुसार Skinner

अधिगम व्यवहार में उत्तरोत्तर अनुकूलन की एक प्रक्रिया है।
(प्रगतिशील) (अनुकूलन)

(Learning is a process of progressive behaviour adaptation)

[illegible] (वुडवर्थ)

Learning is a process of Development

सीखना विकास की प्रक्रिया है।

नवीन ज्ञान तथा नवीन प्रतिक्रिया का अर्जन करने की प्रक्रिया अधिगम करने की प्रक्रिया है।

The process of acquiring new knowledge and new responses is the process of learning

गेट्स व अन्य Gates and others

अनुभव तथा प्रशिक्षण के द्वारा व्यवहार का उन्नयन (परिमार्जन) अधिगम है।

Learning is the modification of behaviour through experience and training.

मॉरिस एल० बिग्गी के अनुसार (1976)

अधिगम किसी जीवित प्राणी के व्यवहार में एक स्थायी परिवर्तन है जो उसे आनुवंशिक विरासत के रूप में स्वतः नहीं प्राप्त होती है। यह व्यक्ति की अन्तर्दृष्टि, व्यवहार, प्रत्यक्षीकरण, परिपक्वता, अभिप्रेरणा या इनके सम्पूर्ण रूप में एक प्रकार का तब्दीली (परिवर्तन) है।

क्लेयर जोन्स सिम्पसन

कोई भी व्यवहार परिवर्तन जो प्राणी के अनुभव का प्रतिफल (परिणाम) हो और जो उसे भावी परिस्थितियों का मुकाबला विभिन्न प्रकार से करने में सहायक हो उसे अधिगम कहते हैं।

Any change of behaviour which is result of Experience and which causes people to face later situation differently may be called learning.

अर्नेस्ट एल० वॉकर (1967)

निष्पादन में अपेक्षाकृत उस स्थायी तब्दीली (परिवर्तन) को अधिगम कहा जाता है जिसके अन्तर्गत या जो अनुभव के फलस्वरूप होती है और नकि परिपक्वता, थकान, अभिप्रेरणा, शारीरिक परिस्थिति में परिवर्तन या अन्य जाने पहचाने शैक्य कारकों की वजह से।

कई प्रयास के अभ्यासों के बाद वह बिना किसी प्रकार के गलती के ह
वर्णमाला के अक्षरों को लिखने मे सफल हो जाता है। यहाँ व्यवहार मे
परिवर्तन प्रशिक्षण या अनुभव अभ्यास के परिणामस्वरुप हुआ जिसे
सीखना या अधिगम कहा जाएगा।

Experience- व्यक्ति को प्रत्येक प्रक्रिया को सीखने के लिए अभ्यास की ही जरूरत नहीं पड़ती। व्यक्ति मात्र अनुभव द्वारा ही सीख लेता है। जैसे- यदि किसी बालक का हाथ एक गर्म स्टोव/ एक जलती हुई मोमबत्ती पर अचानक पड़ जाता है तो वह मात्र एक ही बार के अनुभव में सीख लेता है कि उसे गर्म स्टोव/ मोमबत्ती पर हाथ नहीं रखना चाहिए।

सीखना व्यवहार में परिवर्तन को कहा जाता है (Learning is the change in behaviour):- सीखने की प्रक्रिया मे व्यक्ति के व्यवहार मे परिवर्तन होता है। व्यवहार मे परिवर्तन अच्छा एवं अनुकूली (Adaptive) परिवर्तन भी हो सकता या खराब एवं कुसंमाजित (Maladaptive) परिवर्तन भी हो सकता है जैसे- साइकिल चलाना सीखना, स्वैटर बुनना सीखना, शब्दों का स्पष्ट उच्चारण करना, शब्दों का वाक्य में प्रयोग करना, आदि व्यवहार अच्छा एवं अनुकूल परिवर्तन का उदाहरण है। परन्तु कभी व्यक्ति गलत आदतें जैसे- झूठ बोलना आदि को भी सीख लेता है। व्यवहार में ऐसे परिवर्तन खराब एवं कुसंमाजित परिवर्तन के उदाहरण है। सीखने से तात्पर्य व्यवहार मे इन दोनों तरह के परिवर्तन से होता है। यानि (Learning is the change in behaviour for better or worse)

Basic learning process

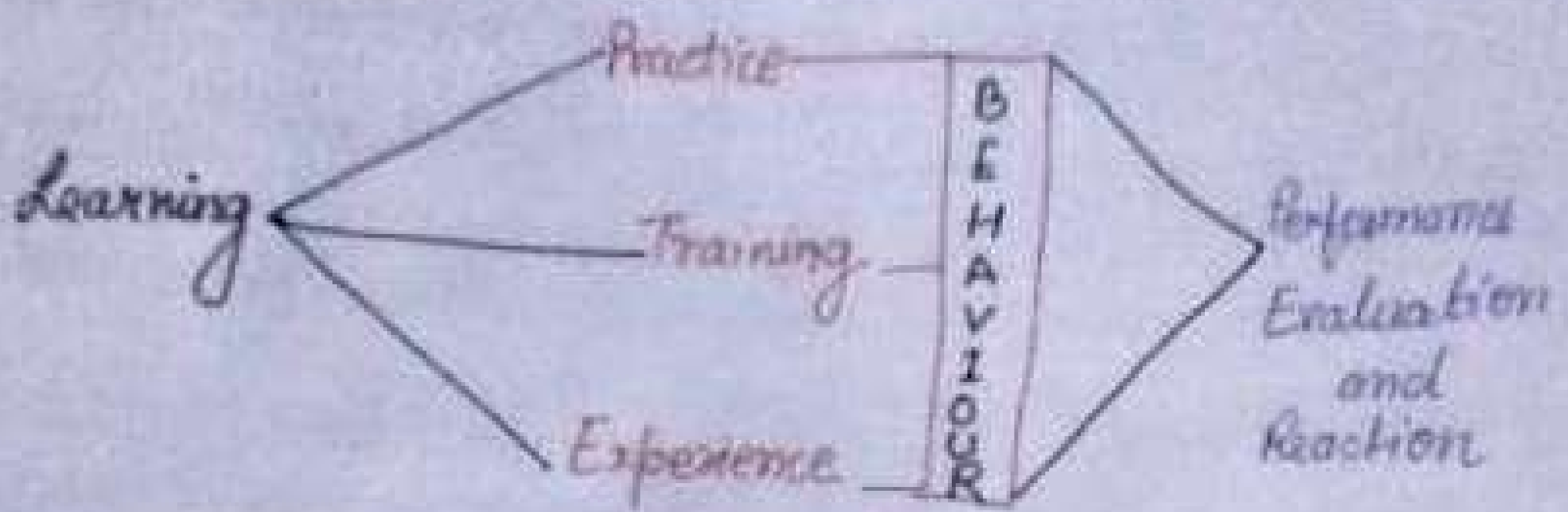

व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन होता है -
(there is relatively permanent change in behaviour)

अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन व्यवहार वैसे परिवर्तन को कहा जाता है जो एक खास समय तक एक तरह से स्थायी होता है और उस खास समय की कोई निश्चित समय नहीं होता है। वह कुछ दिन का भी हो सकता है तथा कुछ महीनों का भी हो सकता है।

उदाहरण- अजय टाइप करना सीखता है, तो उसके व्यवहार मे हुआ इस तरह का परिवर्तन कुछ समय तक स्थायी होता है व्यक्ति फिर से अभ्यास न करे तीन या चार महीने मे टाइप करना भूल भी सकता है। तब यह कहा जायेगा कि व्यक्ति के व्यवहार में हुआ परिवर्तन तीन या चार महीने के लिए ही स्थायी था। अगर व्यवहार मे हुआ परिवर्तन क्षणिक होता है अर्थात कुछ मिनट के लिए ही होता है, जैसा कि प्रेरणात्मक अवस्था (Motivational State) जैसे - भूख, प्यास, काम, नींद आदि मे होता है. तो इसे सीखना नहीं कहते है।

हाफमन (1976) - व्यवहार मे प्रेरणात्मक स्थिति मे उतार चढ़ाव ~~आदि के कारण हुए परिवर्तन को सीखना कहते~~ है। होने से उत्पन्न अस्थायी परिवर्तन सीखने की श्रेणी मे नहीं आते है।

सीखने की विशेषताएँ (Characteristics of learning)

1- अधिगम जन्म से मृत्यु तक चलने वाली प्रक्रिया है
2- अधिगम व्यवहार में निरन्तर परिवर्तन की प्रक्रिया है
3. अधिगम अभिप्रेरणा पर निर्भर करता है।
4. अधिगम उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है।
5. अधिगम अनुभव व अभ्यास की प्रक्रिया है।
6. अधिगम सदैव ही सकारात्मक नहीं होता है। इसलिए कभी-कभी नकारात्मक प्रकार का भी होता है।
7- अधिगम एक विकास की प्रक्रिया है।

Scanned by TapScanner